>

Title: Need to increase the support price of paddy.

कुमारी सरोज पाण्डेय (दुर्ग): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से छत्तीसगढ़ में धान के समर्थन मूल्य के विÂाय पर सदन में अपनी बात रखना चाहती हूँ। माननीय महोदय, इस देश में किसान हमारे अन्नदाता हैं। किसानों के द्वारा जो पैदावार की जाती है, उसका लागत मूल्य भी उन्हें प्राप्त नहीं हो पाता है। छत्तीसगढ़ में धान मुख्य फसल है और मुख्यतः मानसून पर निर्भर करती है।

सभापति महोदय, धान का समर्थन मूल्य सन् 2010-11 में 1000 रूपये प्रति क्वींटल था और सन् 2011-12 में समर्थन मूल्य 1080 रूपये प्रति क्वींटल घोÂिा त किया गया था। अर्थात धान के समर्थन मूल्य में मात्र 8 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। लगातार सभी चीजों के दाम बढ़े हैं। पेट्रल, डीजल आदि की कीमत के साथ मुद्रास्फीति की दर भी इससे ज्यादा रही है। खाद की कीमत भी बढ़ी है। इसके बाद भी सरकार के द्वारा धान का जो समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है, मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि एक तरफ इस देश का किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाता है। वह अपनी मेहनत की लागत भी नहीं पाता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करना चाहती हूँ कि सरकार समर्थन मूल्य पर ध्यान देते हुए उचित समर्थन मूल्य जारी करे।